हिमालय , नेपाल ,बंगाल , आसाम , बर्मा और भारत के
सैकड़ों साल पुराने , क़दीम तिलिस्मी आमाल का ख़ज़ाना

बाल बंगाल

ज़ुल्फ़े बंगाल

भाग -२

Mobile & WhatsApp : +919557463387

पंडित गोवर्धन
(हिमालय पर्वत)

Roohani Academy, MUMBAI
P.O. Box No. 9068, MUMBAI-400063 (INDIA)
Mobile & WhatsApp : 9557463387

मूल्य : ₹ 5500/=

हिमालय , नेपाल, बंगाल , आसाम , बर्मा और भारत के
सैकड़ों साल पुराने, क़दीम तिलिस्मी आमाल का ख़ज़ाना

बाल बंगाल

ज़ुल्फ़े बंगाल

भाग-२

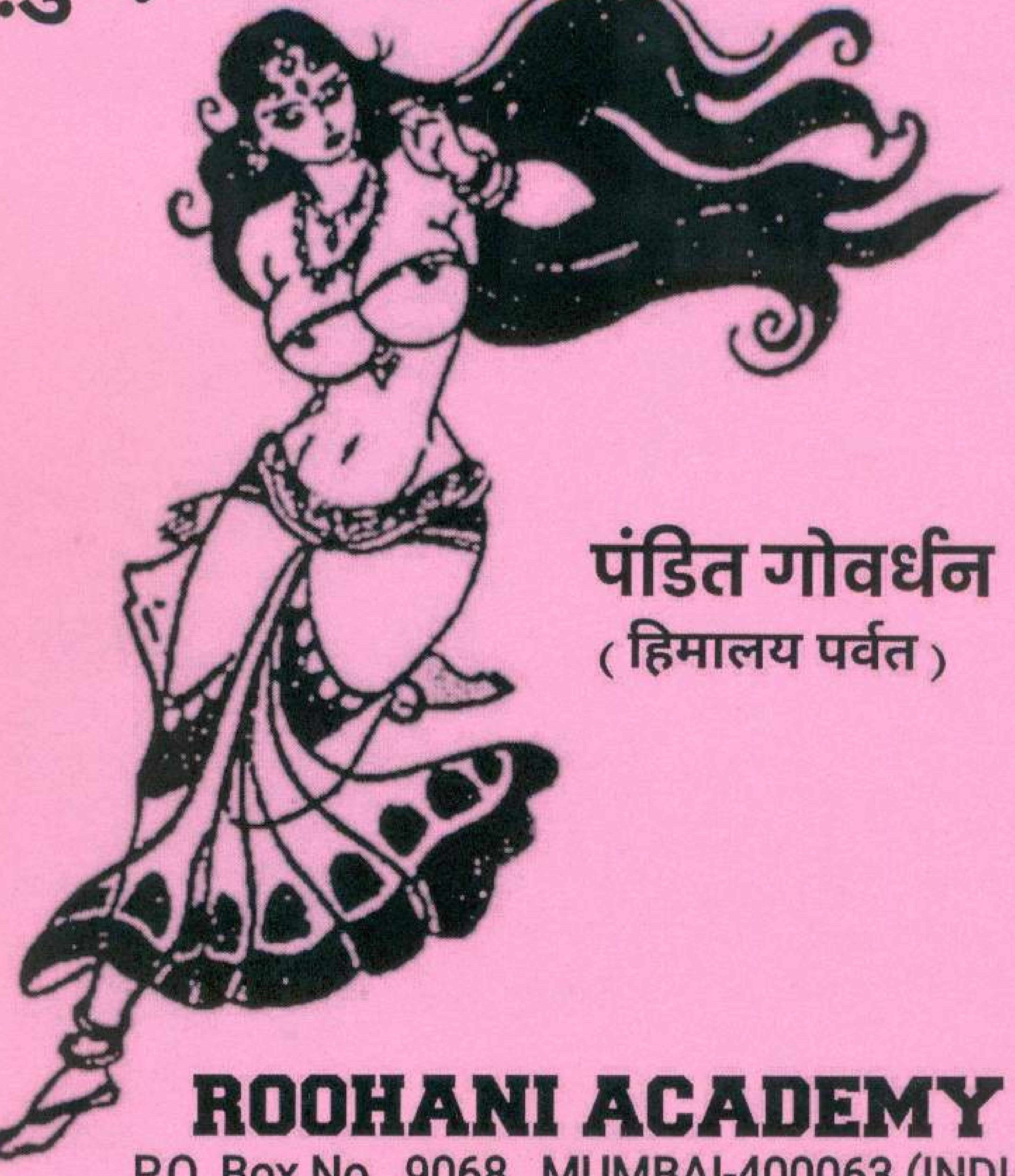

पंडित गोवर्धन
(हिमालय पर्वत)

ROOHANI ACADEMY

P.O. Box No. 9068, MUMBAI-400063 (INDIA)

Mobile : 9557463387, E–Mail roohaniacademy@gmail.com

मूल्य : ₹ ५५००/=

ZULF-E-BANGAAL

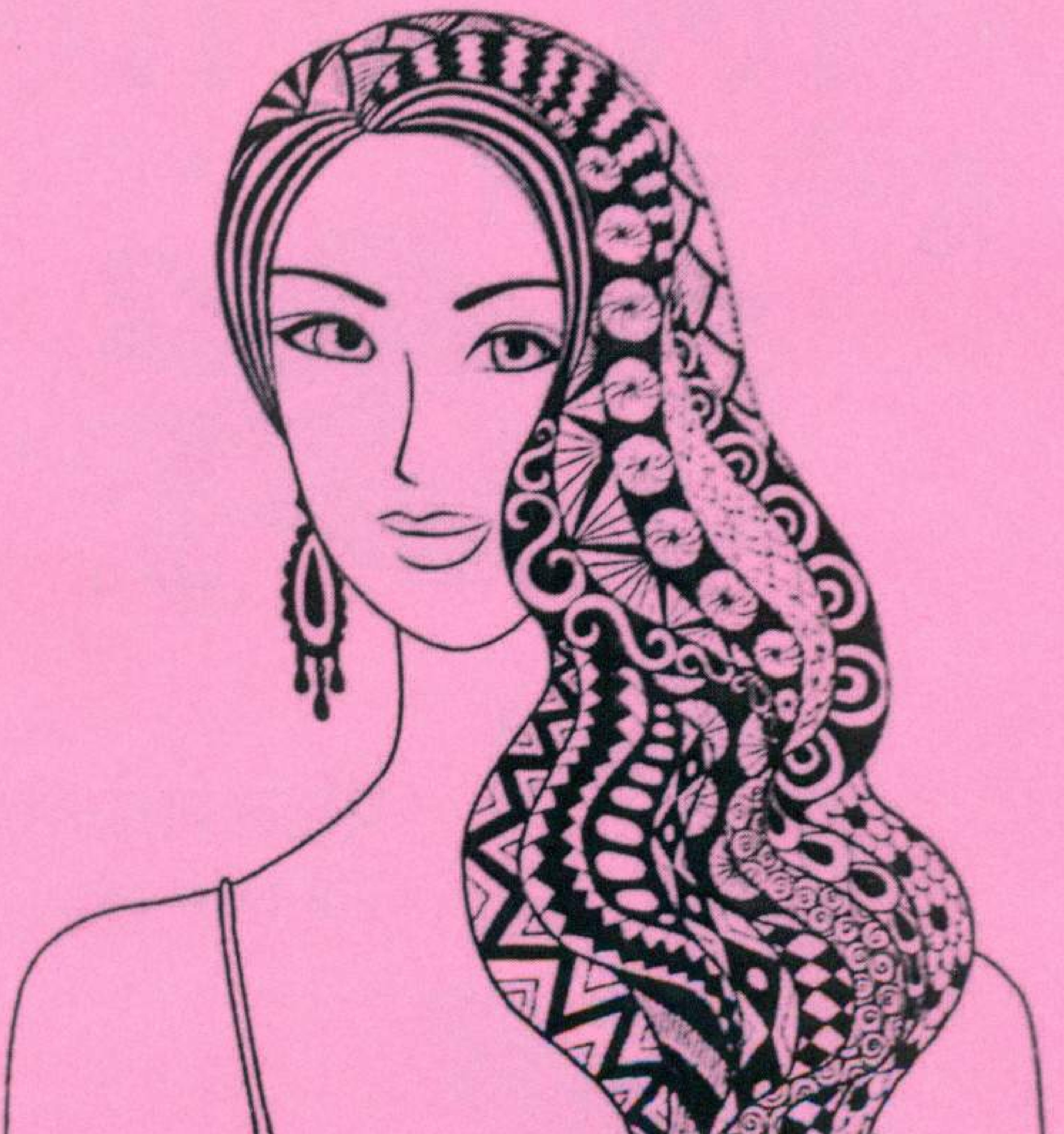

अनुक्रमणिका

1 मुहब्बत वशीकरण 13

2 मुहब्बत • कशिश सम्भोग 14

3 महबूब को अपने इश्क में दीवाना और बेक़रार करना 15

4 मुहब्बत और शादी के लिये रज़ामंद करना 16

5 तिलिस्म ए मुहब्बत , पसंद की जगह शादी 17

6 तिलिस्म ए तस्खीर ए मुहब्बत 18

7 महबूब को मनाना - अपनी बात मनवाना 19

8 हुसूल ए मुहब्बत व उल्फ़त के लिये बंगाल का जादू 20

9 तिलिस्म ए मुहब्बत , तस्खीर, बात मनवाना 21

10 मुहब्बत • शादी और शहवत का अमल 22

11 अमल ए तस्खीर ए औरत व मुहब्बत 23

अनुक्रमणिका

12	मर्द के दिल को मुहब्बत और शादी के लिये रज़ामंद करना	24
13	ख़ाविंद बीवी में झगड़े ख़त्म करके बेपनाह मुहब्बत पैदा करने वाला अमल	25
14	किसी को अपने प्यार इश्क और मुहब्बत में गिरफ्तार करना	26
15	मर्द की तस्खीर का हैरत अंगेज़ अमल	27
16	मुहब्बत व तस्खीर ए औरत	28
17	औरत की काम-वासना को भड़काना	29
18	इश्क और मुहब्बत में सरशार करना	30
19	महबूब की किसी से मुहब्बत ख़त्म करके अपनी मुहब्बत में मुब्तला करना	31
20	अमल ए मुहब्बत व कशिश	33
21	मुहब्बत का ख़ास अमल	34
22	मग़रूर और हसीन औरत को अपनी मुहब्बत में बेक़रार करना	35
23	अमल बराए मुहब्बत व जिंसी ताक़त	36
24	शादी के लिए लड़की को मनाना और मुहब्बत पैदा करना	37
25	ख़ूबसूरत और मग़रूर महबूब को अपना दीवाना बनाना	38
26	ख़लक़त की तस्ख़ीर , हरदिल अज़ीज़ होना , दुश्मन पर ख़ौफ़ तारी	39

अनुक्रमणिका

27 अनमोल सच्ची मुहब्बत पैदा करना और शादी के लिए रज़ामंद करना 40

28 मुहब्बत का चलता जादू - हैरत अंगेज़ अमल ए बंगाला 41

29 तस्ख़ीर ए औरत - तस्ख़ीर ए मर्द - तस्ख़ीर ए आलम 42

30 जाह व हशमत - इज़्ज़त - रुअब व दबदबा - अपनी बात मनवाना 43

31 तस्वीर या इस्तेमाल शुदा कपड़े पर लिखने वाल मुहब्बत का मुजर्रब अमल44

32 मर्द की बेपनाह मुहब्बत और तस्ख़ीर का ख़ास अमल 45

33 नाराज़ ख़ाविंद - बीवी या महबूब से सुलह और शदीद मुहब्बत का अमल 46

34 औरत को मुसख़्ख़र करना 47

35 ख़ाविंद बीवी में ऐसा प्यार कि दुनिया रश्क करे 48

भाग २

36 तस्ख़ीर ए मर्द (औरतों के लिए) 49

37 महबूब को मुहब्बत में बेक़रार करके हाज़िर करना 51

38 महबूबा को अपना बनाना - शादी के लिए रज़ामंद करना 52

39 दो दिल एक जान - बेमिसाल मुहब्बत 53

40 औरत को अपनी तरफ़ माइल करना और उसमें शहवत की आग भड़काना55

41 महबूब को अपने इश्क और मुहब्बत के ख़ुमार में मुब्तला करना 56

अनुक्रमणिका

42 तस्ख़ीर ए मर्द 57

43 मर्द को अपनी तरफ़ राग़िब करना 58

44 किसी को घर में रोकना या किसी जगह जाने से रोकना 59

45 अमल ए मुहब्बत व निकाह और बंदिश ए निकाह 61

46 ख़ाविंद बीवी के झगड़ों का ख़ात्मा करना और उनमें मुहब्बत बढ़ाना 62

47 हुस्न - ख़ूबसूरती - कशिश - मुहब्बत 63

48 बेरून मुल्क गए को वापस बुलाना 64

49 तस्ख़ीर व मुहब्बत 65

50 किसी के दिल में अपने लिए इश्क व मुहब्बत की आग भड़काना 66

51 किसी मर्द या औरत के दिल में बेपनाह मुहब्बत पैदा करना 67

52 नाराज़ और रूठे हुए अफ़राद की सुलह कराना - आपस में मुहब्बत बढ़ाना 68

53 मुहब्बत में फ़रेफ़्ता करने का अमल ख़्वातीन के लिए 69

54 औरत को अपनी मुहब्बत में गिरवीदा करना और निकाह के लिए मनाना 71

55 बेरून मुल्क से वापस बुलाना - मतलूब को हाज़िर करना 72

56 सफ़र से रोकना - तिलिस्म ए क़दम बंदी 73

अनुक्रमणिका

57 ज़ालिम दुश्मन का ख़ात्मा 75

58 अमल तबाही ए दुश्मनान 77

59 ज़ालिम को बीमार मफ़लूज और लाचार करना 79

60 जुदाई डालने , तलाक़ करवाने और नफ़रत डालने का अमल 80

61 अदावत - जुदाई - तलाक़ और बंदिश लगाने का अमल 81

62 दुश्मन पर ख़ौफ़ व हैबत पैदा करके शिकस्त दैना 83

63 तलाक़ * अदावत ॰ जुदाई कराना। 84

भाग ३

64 हलाकत दुश्मन 85

65 दुश्मन के ख़ात्मे, मफ़लूज करने और हलाकत का अमल। 86

66 ख़तरनाक दुश्मन की तबाही और शहर बदर का हुक्म 87

67 दुश्मन पर बंदिश लगाकर शिकस्त देना 89

68 इश्क़ व मुहब्बत, शादी की बंदिश, जुदाई, तलाक़ कराने वाला हांडी का अमल 90

69 बंदिश , ज़ुबान बंदी , नज़र बंदी , जुदाई कराना। 91

79 किसी पर चुड़ैल मुसल्लत करना- ख़ौफज़दा करना मुख़ालिफ़ को भगाना93

71 हर क़िस्म की बंदिश लगाने चलता जादू। 95

अनुक्रमणिका

72	तलाक़ - जुदाई - नफ़रत व अदावत कराना।	96
73	किसी पर कोई बंदिश लगाना	97
74	किसी भी काम की बंदिश लगा देना।	98
75	औरत की कोख बांधना	99
76	दुश्मन - उसका कारोबार और जायदाद तबाह	100
77	ज़ालिम दुश्मन बीमार हो और सज़ा पाए	101
78	मूज़ी दुश्मन की हलाकत का अमल	103
79	ज़ालिम और ख़तरनाक दुश्मन के घर में हवाई चीज़ें मुसल्लत करना	105
80	दुश्मन पर रुअब - दबदबा ताक़त कामयाबी	106
81	ज़ालिम दुश्मन को जो सज़ा चाहें वही मिले	107
82	कोख बंदी का अमल	108
83	दुश्मन से हिफ़ाज़त , दुश्मन का वार और जादू वापस पलटाना	109
84	किसी पर जिन भूत प्रेत मुसल्लत करना	111
85	सिफ़ली शैतानी जिन की तस्ख़ीर	113
86	किसी के ताबेअ हमज़ाद को अपने ताबेअ करना	114

अनुक्रमणिका

87 किसी और के तसख़ीर किए हुए हमज़ाद को अपने क़ाबू में करना 115

88 ताक़तवर जिन को अपने ताबेअ करने का अमल 117

89 जिन भूत आसेब को हाज़िर करना या उतारना 118

90 आसेब जिन्नात और भूत प्रेत का का ख़ातिमा 119

भाग ४

91 आसेब जिन्नात भूत प्रेत साए से छुटकारा 121

92 किसी आमिल या जादूगर का अमल सल्ब कर देना और बेकार कर देना 122

93 आसेब जिन भूत प्रेत साए का इलाज 123

94 फ़लीता बराए आसेब 124

95 आसेब • साया • कंकर • मिट्टी • ख़ून के छींटे ख़त्म वगैरह करना 125

96 घर से जादू का ख़ात्मा 126

97 आसेब ◦ बदरूहों से निजात ◦ दुश्मन को भगाना 127

98 बुरी वबा * बीमारी और आफ़ात से हिफ़ाज़त 128

99 हर क़िस्म के मर्ज़ से शिफ़ा 129

100 मरीज़ की सेहतयाबी का अमल 130

101 अमल ए हुसूल ए औलाद 131

अनुक्रमणिका

102	जवान ॰ हसीन ॰ ख़ूबसूरत और पुरकशिश बनने का अमल	132
103	जाज़िबी * दिलकशी और परियों जैसा हुस्न	133
104	ज़मीन या जायदाद का क़ब्ज़ा छुड़ाना * दुश्मन को भगाना	134
105	चोरी और ग़सब शुदा माल और जायदाद वापस लेना	135
106	क़ब्ज़ा करना * जगह ख़ाली कराना या ख़रीदना	136
107	किसी जगह या ज़मीन से क़ब्ज़ा छुड़वाना	137
108	क़ब्ज़े की जगह ख़ाली करवाना	138
109	ज़मीन जायदाद का क़ब्ज़ा छुड़वाना * अपना हक़ हासिल करना	139
110	ओहदा या मुलाज़मत में तरक़्क़ी * क़िस्मत - माल व दौलत- ख़ज़ाना - लाट्री- प्राइज़ बॉन्ड - इनामी स्कीम- फ़तह व नुसरत	141
111	कारोबार की तरक़्क़ी - लॉट्री- क़िस्मत- प्राइज़ बॉन्ड- जीत	142
112	नौकरी और कारोबार में तरक़्क़ी- क़िस्मत लॉट्री कमेटी में कामयाबी	143
113	लॉट्री * प्राइज़ बॉन्ड और क़िस्मत का ख़ास अमल	144
114	लॉट्री * प्राइज़ बॉन्ड * कमेटी वग़ैरह का अमल	145
115	तिलिस्म बराए लॉट्री- क़िस्मत- प्राइज़ बॉन्ड- कामयाबी	146

अनुक्रमणिका

116 तिलिस्म हुसूल ए नौकरी और वीज़ा 147

117 मन पसंद ओहदा- कारोबार में उरूज- मुलाज़मत में तरक़्क़ी 148

118 बराए तरक़्क़ी ए मुलाज़मत- तस्ख़ीर ए अफ़सरान 149

119 कारोबार और मुलाज़मत में तरक़्क़ी और हर काम में कामयाबी 150

120 इन्तख़ाब में कामयाबी- हुसूल ए इक़्तदार- विज़ारत- सदारत- बादशाहत 151

121 ज़मीन में दफ़्न शुदा क़दीम ख़ज़ाने और ज़ेवरात का पता लगाना 152

122 तस्ख़ीर- मुहब्बत- शादी- कारोबार- तरक़्क़ी- लॉट्री- हुसूल ए जायदाद 153

123 ऐश ओ निशात की ज़िन्दगी 154

BAAL BANGAAL

दो दिल एक जान बेमिसाल मुहब्बत

दो दिलों के दरमियान बेपनाह मुहब्बत पैदा करना और अजनबी अफ़राद को अपना बनाना इस तिलिस्म की मामूली बात है। इस तिलिस्म को काग़ज़ पर या मतलूब के पहने हुए कपड़े पर लिखकर पास रखें। बहुत दल्द असर वाला अमल है।

तस्ख़ीर व मुहब्बत

अगर कोई औरत संदल के क़लम और ज़ाफ़रान से यह तिलिस्म अपने बाज़ू या रान पर लिखकर जिस मर्द से हमबिस्तरी करे वह मर्द बाक़ी सारी ज़िन्दगी किसी दूसरी औरत की तरफ़ न देखेगा। यह अमल ख़ास तौर पर उन ख़्वातीन के लिए है जिनके ख़ाविंद दूसरी औरतों की तरफ़ रग़बत रखते हैं।

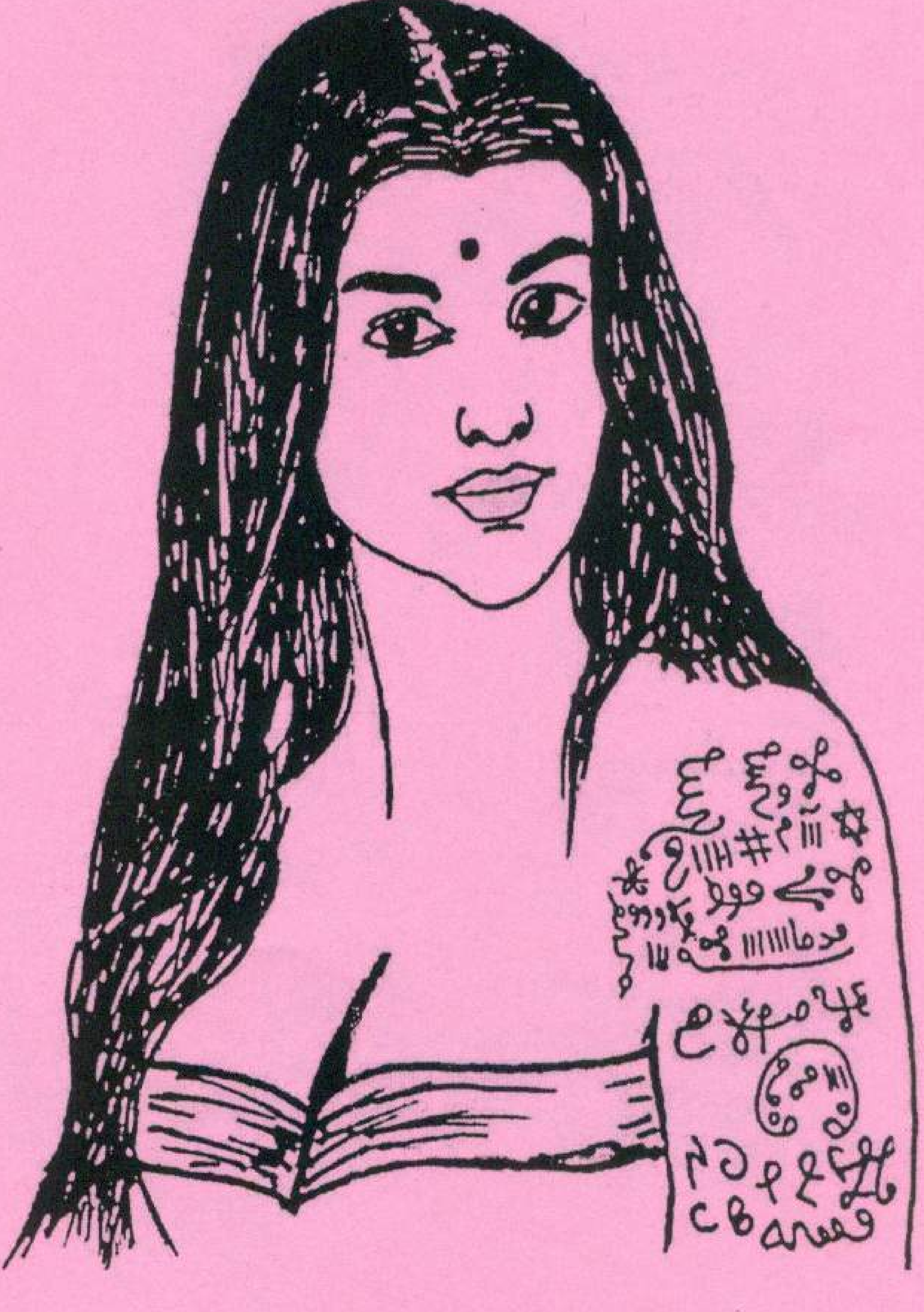

जुदाई डालने * तलाक़ करवाने और नफ़रत डालने का अमल

अगर किसी मर्द औरत के दरमियान जुदाई डलवानी हो या उनकी आपस में मुहब्बत की बजाए नफ़रत डलवानी हो या उनके दरमियान तलाक़ दिलवानी हो तो यह नक़्श इतवार या मंगल के रोज़ काली रौशनाई से लिखकर साथ नक़्श के ऊपर दौनों अफ़राद के नाम लिखकर काली डोरी में लपेटकर आबादी से बाहर वीरान जगह पर दरख़्त की टहनी से लटका दें तो बहुत जल्द अदावत , जुदाई या तलाक़ हो जाए गी।

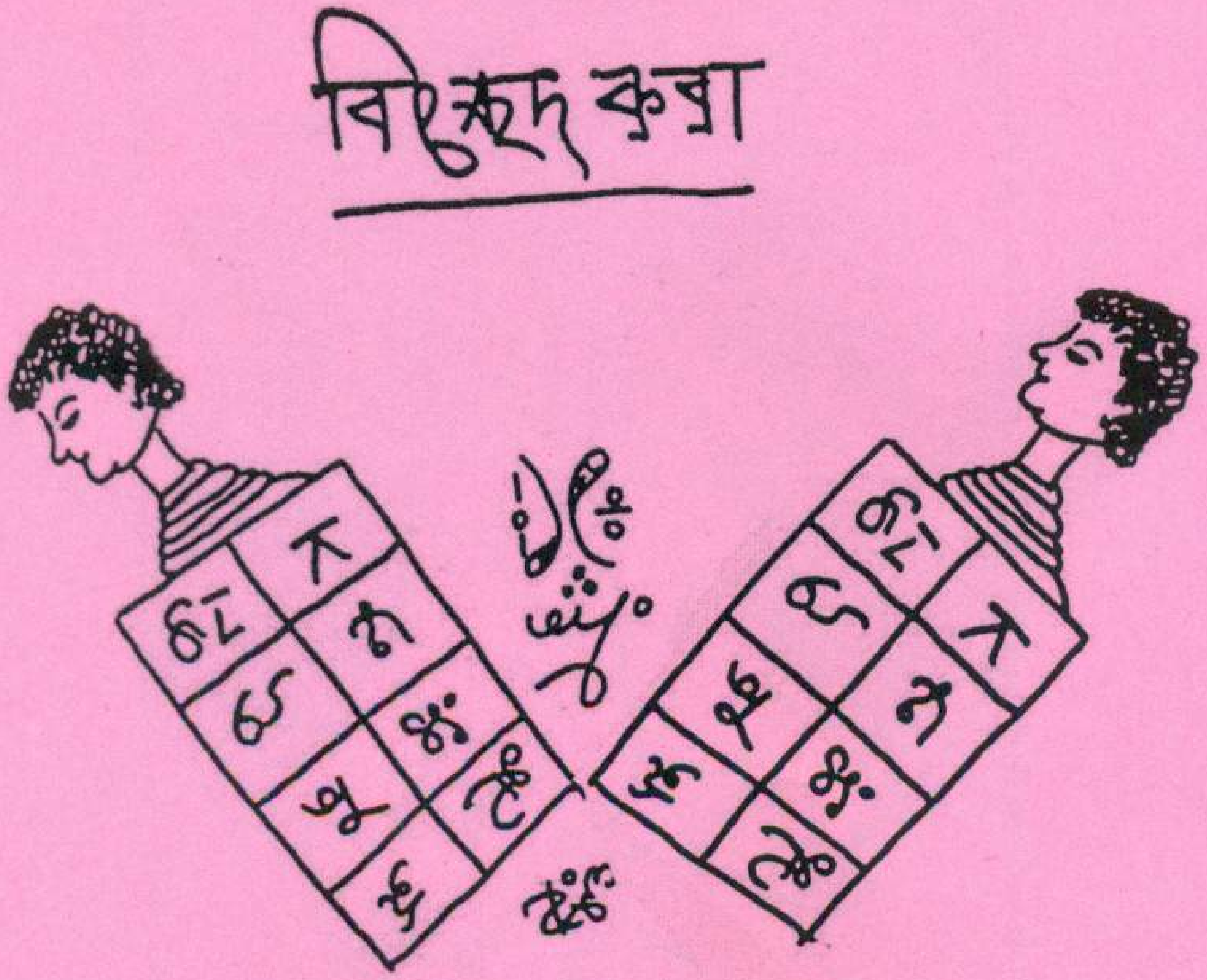

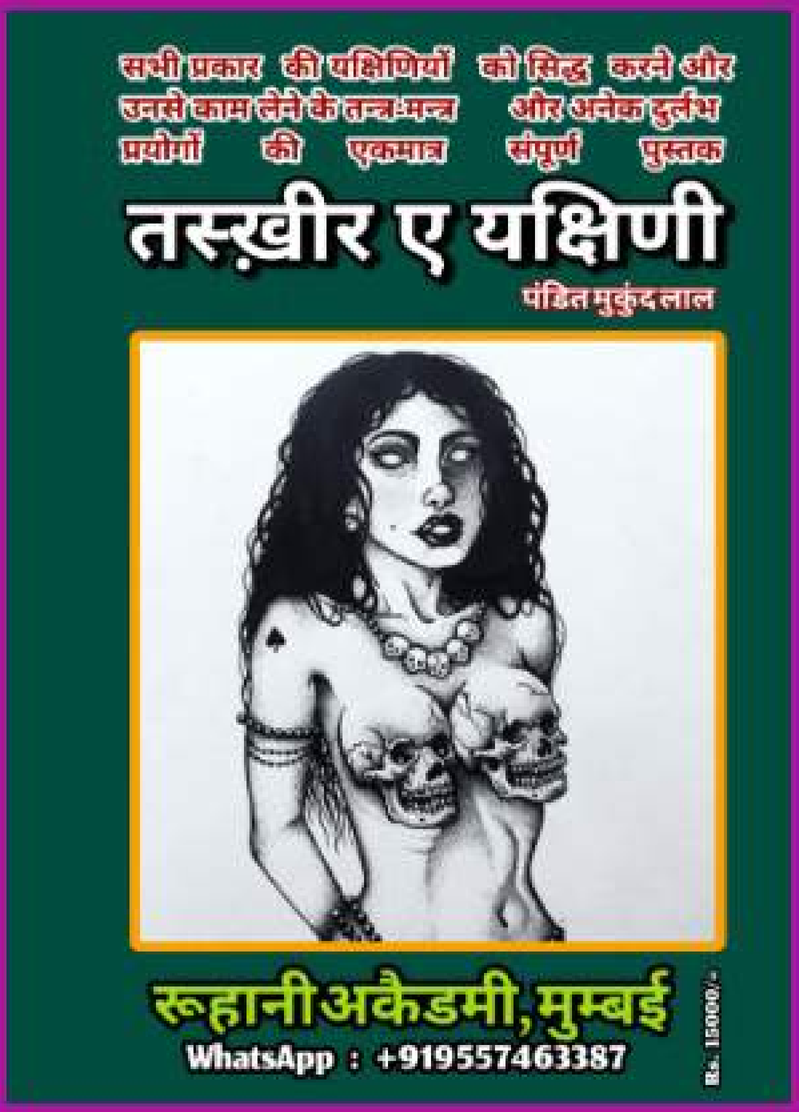

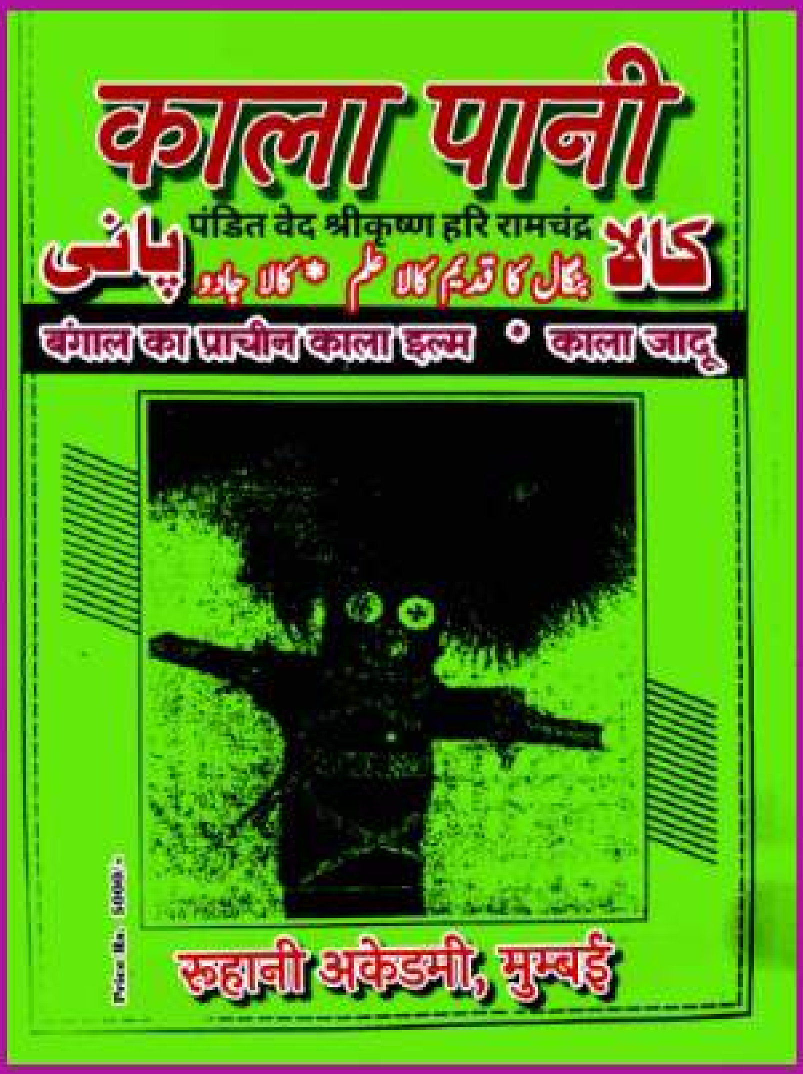

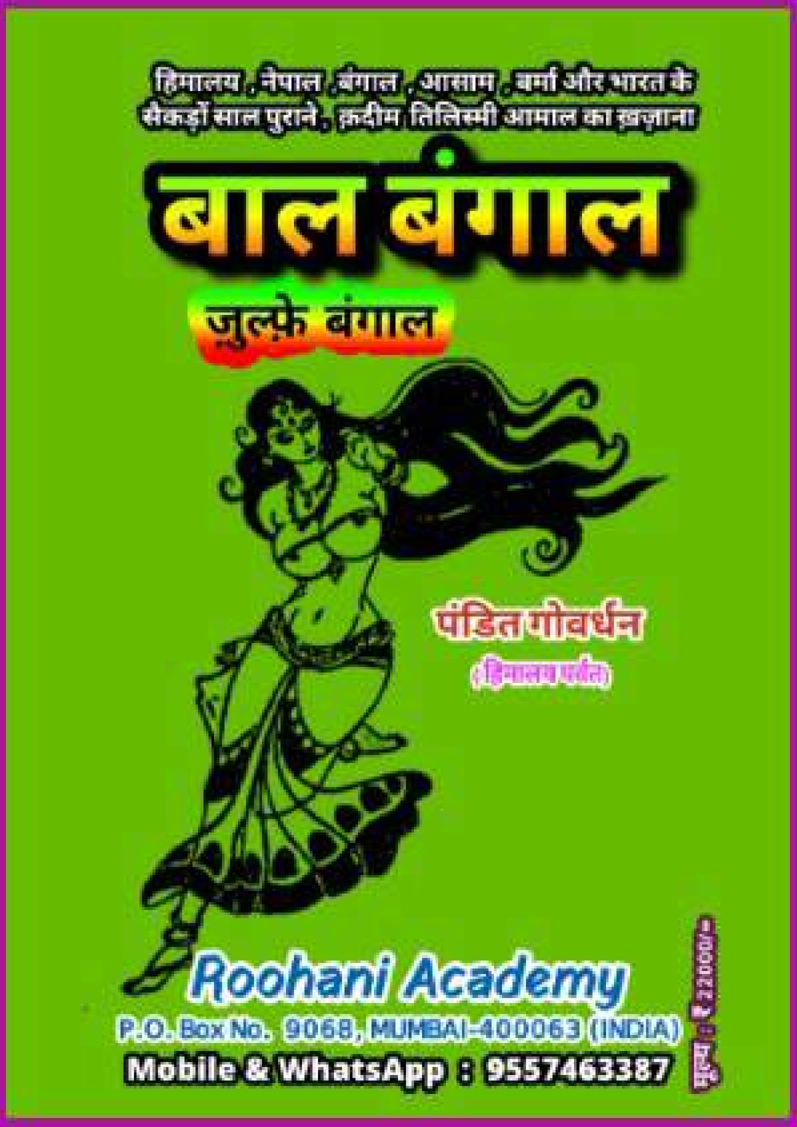

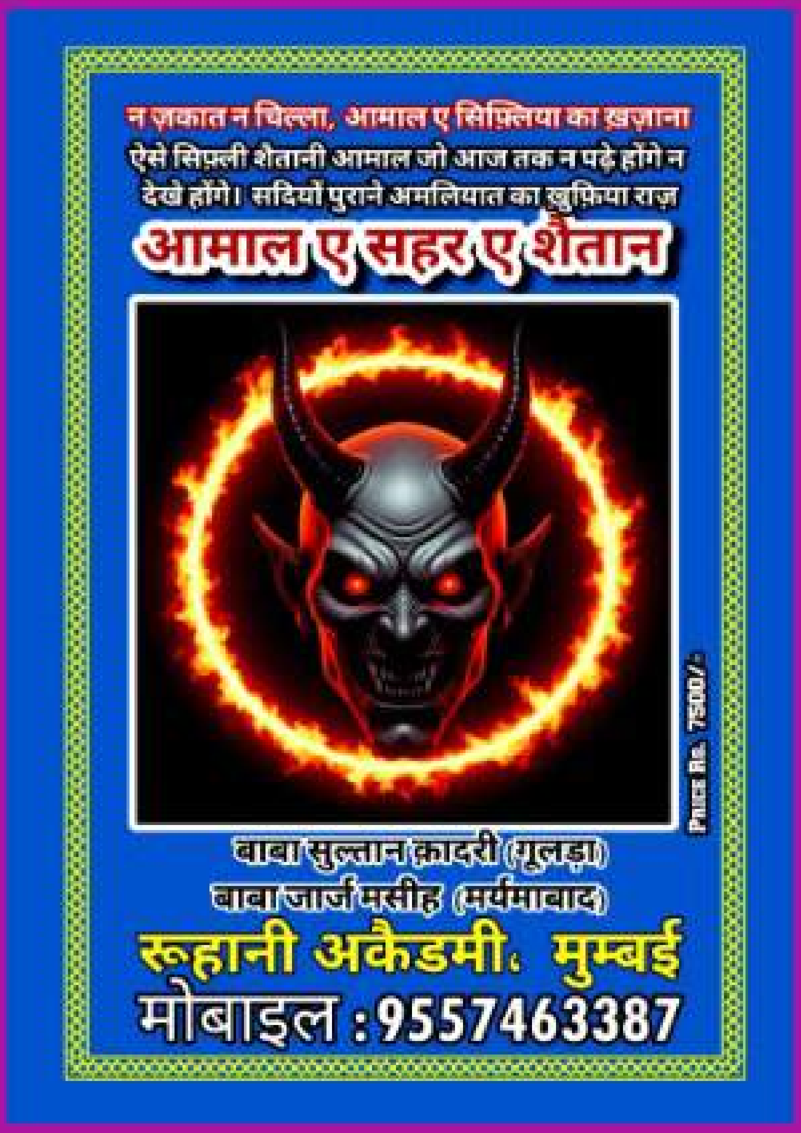

Roohani Academy , MUMBAI

Mobile & WhatsApp : +919557463387